सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 329 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 7 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

हमारी संपत्ति हर शाम दरवाजे से बाहर निकलती है। हमें सुनिश्चित करना होगा कि वो अगली सुबह वापस आ जाए।
-एन. आर. नारायण मूर्ति

अब प्रदर्शन बनेगा भारतीय टीम में चयन... 7 | दिल्ली में बिछने लगी राजनीतिक... 3 | भाजपा सरकार में हर पद और... 2

दिल्ली विस चुनाव का बजा बिगुल

5 फरवरी को वोटिंग, 8 को आएंगे नतीजे

- यूपी के मिल्कीपुर में इसी दिन होंगे उपचुनाव
- सियासी पार्टियों ने किया स्वागत, आम आदमी पार्टी ने फिर सरकार बनाने की बात कही
- भाजपा व कांग्रेस का दावा- इस बार बदलेगी दिल्ली में सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान हो गया है। चुनाव आयोग ने इसकी घोषणा कर दी है। इसी के साथ यूपी के मिल्कीपुर विस उपचुनावों की तारीख भी घोषित कर दी गई है। इसी के साथ ही आचार सहिंत भी लागू हो जाएगी।

दिल्ली राज्य में एक चरण में मतदान होगा। 5 फरवरी को वोटिंग व 8 फरवरी को मतगणना की जाएगी। इस घोषणा के बाद सियासी पार्टियों ने स्वागत करते हुए अपनी-अपनी तैयारियां शुरू करने की बात है। उधर आप, कांग्रेस व भाजपा ने अपनी-अपनी पार्टियों की जीत के दावे किए हैं।

चुनाव आयोग ने जारी की फाइनल वोटर लिस्ट

दिल्ली में विधानसभा चुनावों की तारीखों के ऐलान से पहले सोमवार को चुनाव आयोग ने फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी थी। इसके बाद से अनुमान लगाया जा रहा था कि दिल्ली चुनाव की तारीखों का किसी भी समय ऐलान हो सकता है। माना जा रहा है कि दिल्ली में में एक ही चरण में दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे।

दिल्ली में 1.55 करोड़ वोटर

चुनाव आयोग ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी करते हुए बताया कि कुल 1 करोड़ 55 लाख 24 हजार 858 मतदाता रजिस्टर्ड हैं। इसमें से 84 लाख 49 हजार 645 पुरुष मतदाता हैं, जबकि 71 लाख 73 हजार 952 महिला मतदाता हैं।

आप, भाजपा व कांग्रेस कर चुके हैं उम्मीदवारों की घोषणा

दिल्ली में चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी, कांग्रेस के साथ ही बीजेपी के उम्मीदवारों की लिस्ट आ चुकी है। सबसे आम आदमी पार्टी की तरफ से सभी सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की गई थी। इसके बाद कांग्रेस ने भी अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की। उम्मीदवार घोषित करने में बीजेपी तीसरे नंबर पर रही। पार्टी की तरफ से अभी पहली लिस्ट में 29 उम्मीदवारों के नाम दिए गए हैं। पार्टी की दूसरी लिस्ट भी जल्द आने की उम्मीद है।

आठ फरवरी को बनेगी आप की सरकार : सिसोदिया

दिल्ली विस चुनाव पर आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा 5 फरवरी को वोट डालने जरूर जाएं। 8 फरवरी को जब नतीजे आएंगे उसके लिए हम पूरी तरह तैयार हैं। आप की सरकार फिर से बनेगी।

केजरीवाल की राजनीतिक भविष्यवाणी की चर्चा

इससे पहले ही दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की कि गयी राजनीतिक भविष्यवाणी चर्चा बनी हुई हैं। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि तारीखों के एलान के बाद सीएम आतिशी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मनीष सिसोदिया के यहां सीबीआई की रेड पड़ेगी। उन्होंने कहा कि विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक वह ऐसा कह रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, मैंने कुछ दिन पहले बोला था कि दिल्ली CM आतिशी जी को गिरफ्तार किया जाएगा और आप के कुछ नेताओं पर रेड होगी।

पहले भी किया था दावा

अरविंद केजरीवाल ने दिसंबर में बीजेपी का नाम लिए बिना यह दावा किया था कि महिला सम्मान योजना और संजीवनी योजना की घोषणा ऐलान के बाद से बीजेपी वाले बौखला गए हैं। फर्जी केस बनाकर सीएम आतिशी को गिरफ्तार करने की प्लानिंग चल रही है। वोटर लिस्ट के मुद्दे पर घेरा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फर्जी वोटर आईडी के मुद्दे को लेकर भी हमला बोला था। नई दिल्ली में वोटरों के नाम जोड़ने और हटाने में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा हो रहा है।

तुम नहीं तो कोई और की तर्ज पर आगे बढ़ेगी लिबरल पार्टी!

- ट्रूडो का इस्तीफा लिबरल पार्टी का चेहरा बदलो राज करो नीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कनाडा। कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे की खबर ने भारतीय राजनीति में भी हलचल मचा दी है। ट्रूडो का कार्यकाल भारत विरोधी नजरिया रखने और खालिस्तानी राजनीति को लेकर चर्चाओं में रहा है। उनके इस्तीफे को अमेरिका कनाडा को जल्द ही अपने 51वें राष्ट्र के तौर परिभाषित कर रहा है तो भारत इसे अपनी कूटनीतिक जीत के तौर पर देख सकता है।

हालांकि कनाडाई राजनीति को करीब से देखने और जानने वाले पालिस्टिकल एनालिस्ट इन दोनों ही कारणों को नाकार रहे हैं। उनके मुताबिक ट्रूडो का इस्तीफा लिबरल पार्टी की चेहरा बदलने की चाल से ज्यादा कुछ नहीं।

सिर्फ परिस्थितियां बदली हैं

कनाडा में खालिस्तानी राजनीति का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। कनाडा में बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोग रहते हैं, और कुछ खालिस्तानी नेता इस समुदाय को स्वतंत्र खालिस्तान की ओर उकसाते रहे हैं। ट्रूडो की सरकार ने इन तत्वों को पर्याप्त रूप से नियंत्रित नहीं किया। ट्रूडो का इस्तीफा खालिस्तानी राजनीति के प्रभाव के परिणामस्वरूप भी देखा जा सकता है। कनाडा में आने वाली सरकार को इन परिस्थितियों का सामना करना ही है।

रिश्तों पर पड़ी बर्फ पिघलना मुश्किल !

जबतक कनाडा में चुनाव नहीं हो जाते और वहां दूसरी सरकार का गठन नहीं होता तबतक भारत-कनाडा के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलने के आसार कम है। तुम नहीं तो कोई और की तर्ज पर लिबरल पार्टी को अपना नेता चुनना पड़ेगा। लेकिन नये नेता को भी सरकार को चलाने के लिए खालिस्तानी समर्थक नेताओं का समर्थन प्राप्त करना ही होगा।

योगी जितनी बार मिल्कीपुर जाएंगे, बीजेपी के उतने हजार वोट कम होंगे : अवधेश प्रसाद

- उप-चुनाव से पहले सात बार मिल्कीपुर का दौरा कर चुके हैं सीएम योगी
- लगातार चुनाव जीत रहे हैं अवधेश प्रसाद, बीजेपी लहर में भी नहीं हारे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अवधेश प्रसाद ने मिल्कीपुर विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी के दौरे को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जितनी बार मुख्यमंत्री यहां आएंगे, उतने हजार वोट भाजपा के कम होंगे। सपा सांसद अवधेश प्रसाद आज यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर के उपचुनाव होना है। यहां की जनता ने मुझे पहली 2012 में लगभग 35000 मतों से जिताया था। अखिलेश यादव की सरकार थी। मैंने 100 बेड और 50 बेड के दो अस्पताल और दो आश्रम पद्धति के विद्यालय बनवाए। एक आईटीआई एक पॉलीटेक्निक कॉलेज बनवाया। लेकिन अफसोस है कि भाजपा ने पॉलीटेक्निक को निजी हाथों में बेच दिया। भाजपा के एक नेता ने कोर्ट में गलत तथ्यों के आधार पर स्थगन करवा दिया। जब 2022 में जनता दोबारा जितवाया। आश्रम पद्धति स्कूल खुलवाया। भाजपा ने विकास रोकने का काम किया। यह बात जनता जानती है।

मिल्कीपुर की जनता सपा को ही जिताएगी

सपा सांसद मिल्कीपुर की जनता सपा को जिताएगी। यहां की महान जनता ने मुझे परखा है, जाना है। मिल्कीपुर चुनाव हमें भारी मतों से जिताएगी। यहां की जनता ने हमें संसद पहुंचाया और इतिहास बना। मुझे शत प्रतिशत यकीन है यहां के देवतुल्य नागरिक विधानसभा उपचुनाव में भी सपा उम्मीदवार को बहुत अधिक मतों से जितवाकर इतिहास बनाएंगे। सपा सांसद ने कहा कि यहां से भाजपा सरकार का खात्मा होगा। यहां पर इंडिया गठबंधन के सहयोग से सपा उम्मीदवार की जीत होगी। 2027 में प्रदेश में हमारी सरकार बनेगी, महंगाई घटेगी। किसानों का संकट दूर होगा। जातीय जनगणना होगी। एक अच्छी सरकार बनेगी। अवधेश प्रसाद ने कहा कि हमारे नेता और पार्टी सभी धर्मों का सम्मान करती है।

भाजपा सरकार में हर पद और हर पोजीशन का दाम तय: अखिलेश

» बोले- मुख्यमंत्री जी योगी नहीं, भ्रष्ट हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार जारी है। सपा प्रमुख ने कहा है कि भाजपा सरकार में बड़े पैमाने पर कमीशनखोरी हो रही है। भ्रष्टाचार चरम पर है। हर स्तर पर लूट है। भाजपा सरकार में हर पद और हर पोजीशन की रेट तय है। हर विभाग में भ्रष्टाचार हो रहा है। ऐसा कोई विभाग नहीं है, जहां लूट नहीं हो रही है।

मुख्यमंत्री जी योगी नहीं, भ्रष्ट हैं। भाजपा सरकार का नया परिचय भ्रष्टाचार और संगठित लूट हो गया है। श्री यादव ने सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं को नए वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाकर जनता के हित और उत्तर प्रदेश के विकास के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना ही शुभकामनाओं की सफल सार्थकता होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और लूट की कमाई पर कब्जा करने की लड़ाई चल रही है। खुद भाजपा विधायक और नेता भ्रष्टाचार और लूट के आरोप लगा रहे है। इस सरकार के भ्रष्टाचार ने किसी को नहीं छोड़ा है। महिलाएं, व्यापारी, किसान, नौजवान आम जनता सब त्रस्त हो चुके हैं। यादव ने कहा कि जनता में भाजपा को लेकर भारी नाराजगी है।

भाजपा वोटर लिस्ट में हेराफेरी कर पीडीए का वोट कटवा रही

भाजपा वोटर लिस्ट में हेराफेरी कर पीडीए का वोट कटवा कर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की साजिश करती है। धांधली और षड्यंत्र कर चुनाव जीतना चाहती है। अखिलेश यादव ने नेताओं, कार्यकर्ताओं से कहा कि वे सब भाजपा की साजिशों को विफल करने का संकल्प लेकर जायें। बूथ को मजबूत करना है और वोटरलिस्ट पर पूरी नजर रखकर उसे ठीक कराना है। कार्यकर्ता सतर्क रहेंगे तो भाजपा धांधली नहीं कर पाएगी। 2027 का विधानसभा चुनाव हमें हर हालत में राज्य के हित में जीतना है।

भाजपा सरकार ने गांवों और किसानों की उपेक्षा की

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने गांवों और किसानों की उपेक्षा की। गांवों के लिए कोई काम नहीं किया। समाजवादी सरकार में लोहिया ग्राम योजना के तहत हजारों गांवों में सड़क, पेयजल तथा अन्य सुविधाओं का विकास किया गया था, लेकिन भाजपा ने द्वेष के चलते गांवों के विकास की सभी योजनाओं को बंद कर दिया। विकास कार्यों को रोक दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने 2016 में अपने लोकसभा क्षेत्र वाराणसी के नागेपुर गांव को गोद लिया था लेकिन उस गांव का कोई विकास नहीं हुआ। दोबारा उस गांव की सुध भी नहीं ली गई।

शिअद को कमजोर करने की हो रही है कोशिश: सुखबीर

» बोले- एक साल में निकल गईं अमृतपाल की चीखें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुक्तसर (पंजाब)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के वरिष्ठ नेता व पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर बादल मुक्तसर में थे वहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। सुखबीर माघी मेले मौके मुक्तसर में की जाने वाली सियासी कांफ्रेंस की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए आए हुए थे। इस दौरान उन्होंने विरोधी दलों पर निशाना साधा।

सुखबीर बादल ने कहा कि शिअद को कमजोर करने के लिए हम पर एक साजिश के तहत बेअदबी सहित अन्य आरोप लगाए गए थे। पूरे विवाद को समाप्त करने के लिए मैंने सारे इल्जाम अपनी झोली में डाल लिए। जबकि अकाली दल पर जो आरोप लगे हैं, ऐसा कृत्य करने के बारे शिअद कभी भी सोच नहीं सकता।

सुखबीर ने अलगावावादी सांसद अमृतपाल का नाम लिए बिना तंज कसते हुए कहा कि प्रकाश सिंह बादल ने 16 साल जेल काटी है और यहां एक साल में ही चीखें निकल रही हैं। उन्होंने फरीदकोट के सांसद सरबजीत सिंह खालसा पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि सरबजीत खालसा जब से सांसद बने हैं एक बार भी सिखों के हक की बात नहीं की। यहां तक कि किसी के सुख दुख में भी शामिल नहीं हो रहे। बादल ने कांग्रेस नेता राजा वड़िंग पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजा वड़िंग ने भी पिछले दिनों जत्थेदारों के खिलाफ एक बयान दिया था।

तमिलनाडु में राज्यपाल के अभिभाषण पढ़े बिना सदन से चले जाने पर बवाल

» भाजपा ने डीएमके सरकार पर साधा निशाना, द्रमुक ने राज्यपाल की हरकत को बताया 'बचकाना'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में राज्यपाल के अभिभाषण पढ़े बिना सदन से चले जाने पर बवाल मच गया है। इस मुद्दे पर भाजपा ने डीएमके सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है ये सरकार संविधान विरोधी हैं।

उधर डीएमके ने विधानसभा में पारंपरिक अभिभाषण दिए बिना राज्यपाल आर. एन. रवि के चले जाने की कड़ी आलोचना करते हुए इसे 'बचकाना हरकत' बताया और उन पर लगातार राज्य के लोगों का अपमान करने का आरोप लगाया।

गवर्नर रवि ने परंपराओं का उल्लंघन किया : मुख्यमंत्री स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि सवाल यह पैदा होता है कि "जब उनमें अपने संवैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करने की इच्छा नहीं है" तो राज्यपाल रवि अपने पद पर क्यों बने हुए हैं। इस साल विधानसभा सत्र के पहले दिन राज्यपाल रवि के सदन से बाहर चले जाने और सदन में अभिभाषण देने से परहेज करने पर प्रतिक्रिया देते हुए स्टालिन ने कहा कि पिछले वर्षों में, राज्यपाल रवि अपने अभिभाषण में कुछ हिस्सा छोड़ देते थे वहीं कुछ अंश खुद ही जोड़ देते थे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "इस साल, राज्यपाल रवि अभिभाषण पढ़े बिना सदन से चले गए, यह बचकाना है।" स्टालिन ने आरोप लगाया कि राज्यपाल द्वारा विधानसभा में सरकार का अभिभाषण पढ़ना लोकतांत्रिक परंपरा है, लेकिन रवि इस परंपरा का उल्लंघन करते रहे हैं।

प्रदेश की द्रमुक सरकार राष्ट्रविरोधी : मुरुगन

केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने कहा कि आज तमिलनाडु विधानसभा में जो हुआ वह हमारे लिए शर्म की बात है। उन्होंने कहा कि द्रमुक सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे राष्ट्रविरोधी हैं। द्रमुक सरकार ने साबित कर दिया कि वे हमेशा संविधान विरोधी रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि राज्यपाल ने यह भी कहा कि राष्ट्रगान गाया जाना चाहिए लेकिन सदन के नेता और सीएम एमके स्टालिन के साथ-साथ स्पीकर ने भी राष्ट्रगान गाने से इनकार कर दिया। यह भारत के संविधान का उल्लंघन है।

यूपी कांग्रेस का नई कार्यकारिणी गठन पर जोर

जिलाध्यक्ष बनने के लिए देने होंगे सवालों के जवाब, प्रदेश अध्यक्ष व प्रभारी लेंगे परीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस यूपी में आमूल-चूल परिवर्तन करने पर जोर दे रही है। प्रदेश कांग्रेस ने संगठनात्मक ढांचा तैयार करने के लिए नई रणनीति बनाई है। जिलाध्यक्ष बनने के इच्छुक नेताओं को 10 सवालों के जवाब देने होंगे। इस परीक्षा में सर्वाधिक अंक हासिल करने के बाद सियासी पकड़ का आकलन किया जाएगा। इसके बाद जिलाध्यक्ष की ताजपोशी होगी। कांग्रेस की प्रदेश व जिला इकाई भंग है।

नई कार्यकारिणी गठित करने की कवायद चल रही है। प्रदेश को छह जोन में बांटकर समीक्षा की जा रही है। हर जोन के जिलों के जिलाध्यक्ष व शहर अध्यक्ष के लिए आवेदन मांगे गए हैं। आवेदकों को बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय के समक्ष 10 सवालों के जवाब देने होंगे। जवाब के आधार पर संबंधित व्यक्ति की रैंकिंग होगी। दूसरे चरण में इन दोनों के बीच से ही संबंधित जिले व शहर के जातीय समीकरण और स्वीकार्यता के आधार पर जिलाध्यक्ष व शहर अध्यक्ष तय होगा। इसके पीछे रणनीति है कि पार्टी में किसी तरह का असंतोष न होने पाए। यह भी कोई आरोप न लगाए कि क्षेत्र में बिना काम किए ही वरिष्ठ नेताओं के बीच पहुंच के आधार पर किसी को जिलाध्यक्ष बना दिया गया।आवेदकों को संगठन के बारे में जानकारी, पार्टी से जुड़ने का समय, सदस्यता अभियान में हिस्सेदारी, भारत जोड़ो यात्रा में योगदान, यूपी जोड़ो यात्रा में योगदान, पौधरोपण, बीएलए पंजीयन, रक्तदान, विधानसभा घेराव में सक्रियता, अन्य चुनाव में सक्रियता आदि से संबंधित सवालों के जवाब देने होंगे।

कार्यकर्ताओं को दी गई सीख

युवक कांग्रेस मध्य जोन के प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे सांसदों एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विभिन्न जिलों से आए युवाओं को पंचायत स्तर पर सियासी भागीदारी निभाने का सलीका सिखाया। बताया कि पंचायत स्तर पर पकड़ मजबूत करके न सिर्फ सियासी कॅरिअर विकसित किया जा सकता है, बल्कि पार्टी को फिर से मुख्य धारा में लाई जा सकती है। बीकेटी में चल रहे शिविर में पहुंचे युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब ने युवाओं को जनता के हितों के लिए संघर्षशील रहने का संकल्प दिलाया।

आयोजनों का राजनीतिकरण करना ठीक नहीं: शिवकुमार

» सिद्धारमैया की डिनर पार्टी का उपमुख्यमंत्री ने किया बचाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की हालिया रात्रिभोज बैठक पर अटकलों को खारिज कर दिया, और जोर देकर कहा कि यह एक नियमित राजनीतिक सभा थी। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए शिवकुमार ने ऐसे आयोजनों का राजनीतिकरण न करने का आग्रह किया।

राजनीति में रात्रि भोज मिलना आम बात है। मैं उन्हें अक्सर व्यवस्थित भी करता हूं। इसमें बहुत अधिक पढ़ने की जरूरत नहीं है। उन्होंने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा। शिवकुमार ने अपनी हालिया अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि यह कई वर्षों के बाद पारिवारिक विदेश यात्रा के कारण था। सिद्धारमैया के करीबी सहयोगी और लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली के आवास पर 2 जनवरी को आयोजित रात्रिभोज बैठक, मुख्य रूप से पिछड़े समुदायों से आने वाले मंत्रियों के एक समूह द्वारा आयोजित इसी तरह की सभाओं की एक श्रृंखला का हिस्सा थी।

दिल्ली में बिछने लगी राजनीतिक बिसात

रणनीति बनाने में जुटी कांग्रेस, आप और बीजेपी

- आतिशी सरकार ने खोला जनता के लिए खजाना
- मोदी सरकार भी योजनाओं व शिलान्यास में जुटी
- चुनावी वादों व प्रचार का शुरू हुआ अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में चुनावी माहौल अब और परवान चढ़ेगा। आप के ताबड़तोड़ वादे व प्रचार के बाद भाजपा की कमान पीएम मोदी ने संभाल ली है। उन्होंने शुक्रवार को दिल्ली में कई योजनाओं की शुरुआत के साथ चुनावी प्रचार भी शुरू कर दिया इस दौरान उन्होंने आप पर पानी पी-पीकर हमला बोला। इस बीच ये भी खबर आ गई कि अगले सप्ताह योजना आयोग वहां चुनावों का ऐलान कर सकता है। उधर प्रधानमंत्री मोदी के दिल्ली में अभी से चुनावी मोड में आने पर सियासी गलियारे में ये चर्चा आम हो रही है कि आप व उसके संयोजक अरविंद केजरीवाल के ताबड़तोड़ चनाव प्रचार व जनता के लिए लोकलुभावन वादों से भाजपा घबरा गई ।

पार्टी ने हालांकि अपने प्रदेश स्तरीय नेताओं के द्वारा तो हल्ला बोला ही जब लगा कि इससे काम नहीं चलने वाला है तो प्रधानमंत्री को खुद ही मोर्चा संभालना पड़ा। अब ये तो चुनाव के परिणाम ही बताएंगे कि पीएम मोदी दिल्ली वालों को पसंद आते हैं या केजरीवाल पर ही भरोसा बरकरार रहता है। कुल मिलाकर दिल्ली में चनावी बिसात बिछने लगी है सारे सत्ता को पाने के समीकरण सियासी पार्टियों साधने शुरू कर दिये हैं। इसबार वहा चुनावी जंग त्रिकोणीय होने की संभावना है। जहां सत्ता में बैठी आप तीसरी बार सरकार बनाने के लिए ताल ठोक रही हैं वहीं कांग्रेस व भाजपा कई सालों से अपनी खोई हुई सत्ता वापस पाने को जी-जान से लगी हुई है।

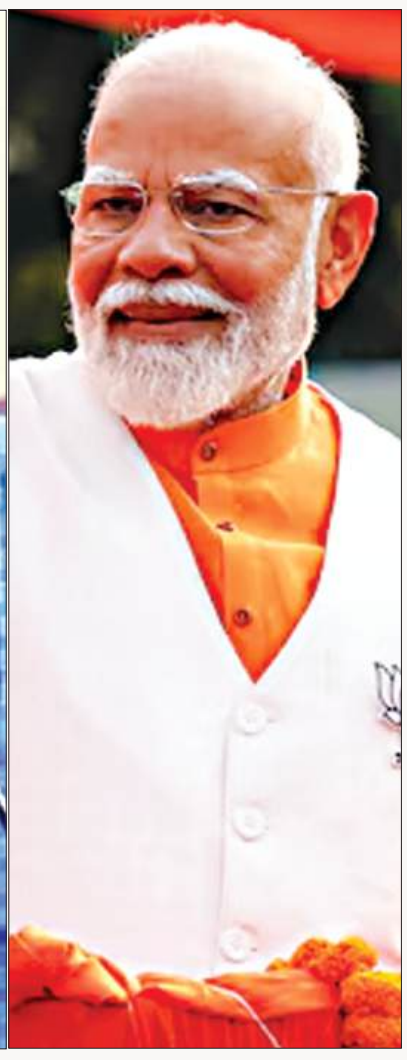

10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया। शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला... ये लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग आप-दा बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं।पीएम मोदी ने कहा कि मैं तो दिल्ली वालों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली आयुष्मान भारत योजना का लाभ देना चाहता हूं। आप-दा सरकार को दिल्ली वालों से बड़ी दुश्मनी है। पूरे देश में आयुष्मान योजना लागू है, लेकिन इस योजना को आप-दा वाले यहां (दिल्ली) लागू नहीं होने दे रहे। इसका नुकसान दिल्ली वालों को उठाना पड़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत बनाने में बहुत बड़ी भूमिका हमारे शहरों की है। जहां दूर-दूर से लोग सपने लेकर आते हैं और बड़ी ईमानदारी से उन सपनों को पूरा करने में जिंदगी खपा देते हैं। इसलिए केंद्र की भाजपा सरकार शहरों में रहने वाले हर परिवार को कालिटी ऑफ लाइफ देने में जुटी है। पीएम मोदी ने कहा कि देश भाली-भांति जानता है कि मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं बनाया है। लेकिन बीते 10 वर्षों में चार करोड़ से अधिक गरीबों को घर देकर उनका सपना पूरा किया है। मैं भी कोई शीश महल बना सकता था, लेकिन मेरे लिए तो मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले यही एक सपना था। मैं आप सबको भी कहता हूं कि आप जब भी लोगों के बीच जाएं लोगों से मिले और अभी भी जो लोग झुग्गी झोपड़ी में रहते हैं, मेरे तरफ से उनको वादा करके आना, मेरे लिए आप ही मोदी हैं, आप वादा करके आना आज नहीं तो कल उनके लिए पक्का मिलेगा।

भाजपा के पास नहीं कोई सीएम पद का चेहरा : केजरीवाल

पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा के पास दिल्ली में मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं है। दिल्ली में कानून व्यवस्था बेहद खराब है। गृह मंत्री अमित शाह के पास टाइम ही नहीं है कि वह दिल्ली के बारे में सोचें। पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा कि आज प्रधानमंत्री ने दिल्ली में रैली की और उन्होंने दिल्ली वालों को और लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार को केवल गाली देने का काम किया। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता ने 2015 में दो सरकार चुनी थी। केंद्र में भाजपा और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार। तब से लेकर अब तक 10 साल हो गए। तब से हमने इतने काम किये कि मुझे बताने में कई घंटे लग जाएंगे। लेकिन केंद्र की सरकार ने एक भी काम नहीं किया जो प्रधानमंत्री बता सकें। इसलिए सिर्फ गालियां दीं। जो व्यक्ति काम करता है वो गालियां नहीं देता। केजरीवाल ने 2020 के भाजपा संकल्प पत्र को दिखाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि 2022 तक दिल्ली में सब लोगों को पक्के मकान दे दिए जाएंगे। 2020 से लेकर अब तक प्रधानमंत्री ने केवल 1700 लोगों को चाबी दी। इससे पहले कालकाजी में 3000 हजार मकानों की चाबियां दी थीं। इसका मतलब केंद्र ने पांच साल में 4700 मकान बनाएं हैं। दिल्ली में 4 लाख झुग्गियां हैं 15 लाख लोगों को मकान चाहिए। इन्होंने पांच साल में 4700 मकान बनाए हैं। मुझे लगता है, इन्होंने 200 साल का संकल्प पत्र बनाया है। केजरीवाल ने हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा ने दिल्ली में झुग्गियां तोड़ तोड़कर पिछले पांच साल में 2,78,796 लोगों को बेघर कर दिया। प्रधानमंत्री ने वादा किया था मकान देने का लेकिन उन्होंने धोखा दिया। इनके नेता जाते हैं और झुग्गियों में सोते हैं और कुछ दिनों बाद उन्ही झुग्गियों को तोड़कर उनके बच्चों को सड़क पर लाकर खड़ा कर देते हैं। ये गरीबों के दुश्मन हैं।

दिल्ली में परियोजनाओं व शिलान्यास का दौर शुरू

पहले आप सरकार द्वारा जनता के लिए कई योजनाओं की शुरुआत की गई उसके बाद केंद्र की एनडीए सरकार ने विकास योजनाओं के लिए पिटारा खोल दिया। आप ने पुजारियों, ग्रंथियों, महिलाओं, बुजुर्गो से लेकर युवाओं के लिए सरकारी खजाना खोल दिया। उधर पीएम मोदी ने भी परियोजनाओं का शिलान्य व उद्घाटन शुरू कर दिया। कार्यक्रम के दौरान स्वाभिमान अपार्टमेंट में झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास परियोजना के तहत लाभार्थियों को फ्लैटों की चाबी सौंपी। दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मंत्री तोखन साहू आदि नेता मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एलजी वीके सक्सेना ने कहा यह पहला मौका नहीं है। 2022 में भी पीएम मोदी ने दिल्ली के कालका जी एक्सटेंशन में जहां झुग्गी वहां मकान योजना के तहत लाभार्थियों को चाबियां सौंपी थीं। आज दो साल के अंतराल में एक बार और ऐतिहासिक पलों के साक्षी बन रहे हैं। आज कई परिवारों को बहुमंजिला इमारतों के फ्लैट्स की चाबियां मिलेंगी।। इन फ्लैट्स में लिफ्ट, बच्चों के लिए पार्क तथा सभी प्रकार की नागरिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। डीयू के वीर सावरकर कॉलेज की पीएम मोदी के द्वारा आधारशिला रखे जाने को लेकर भाजपा नेता दुष्यंत गौतम बोले, कांग्रेस को मनमोहन सिंह के नाम पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। वीर सावरकर ने कई योगदान दिए और इसे कांग्रेस ने स्वीकार कर डाक टिकट जारी किया, इसलिए उनके नाम का विरोध करना तार्किक रूप से सही नहीं है।

दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा नहीं लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। सूत्रों ने बताया कि पार्टी ने उन्हें इस संबंध में निर्देश दिया है, सचदेवा दिल्ली में चुनाव प्रबंधन को लीड करेंगे। दिल्ली में इन दिनों बीजेपी टिकट बंटवारे पर मंथन कर रही है। अटकलें हैं कि पार्टी इस बार कई नए चेहरों को मौका दे सकती है। राष्ट्रीय राजधानी में अगले सप्ताह विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। चुनाव के ऐलान से पहले ही सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) सभी सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है। कांग्रेस ने अब तक 47 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं वहीं बीजेपी की लिस्ट का इंतजार है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग की तैयारी पूरी

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीति जोरों पर है। सूत्रों के मुताबिक 7 या 8 जनवरी को केंद्रीय चुनाव आयोग दिल्ली चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है। बताया जा रहा है कि फरवरी के दूसरे हफ्ते में दिल्ली में चुनाव होगा और 15 फरवरी के बाद नतीजे आएंगे। सूत्रों के मुताबिक 11 से लेकर 13 फरवरी के बीच दिल्ली में एक चरण में ही मतदान समाप्त हो जाएगा। मतों की गणना 15 या 16 फरवरी को हो सकती है। यानी एक तरह से दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग की तैयारी लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। दिल्ली में 6 जनवरी तक केंद्रीय चुनाव आयोग नई वोटर लिस्ट भी जारी कर देगा। यानी इस लिहाज से दिल्ली में फरवरी के तीसरे हफ्ते तक नई सरकार के गठन को लेकर तस्वीर साफ हो सकती है।

पार्टियों का आरोप-प्रत्यारोप शुरू

दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के उद्देश्य से आम आदमी पार्टी, बीजेपी, कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है. वहीं सभी पार्टियां जनता से अलग-अलग वादे भी करने लगे हैं। भारतीय जनता पार्टी पिछले 27 के सूखे को खत्म करने तो वहीं आम आदमी पार्टी ने फिर एक तरफा जीत दर्ज करने के इरादे से राजनीतिक बिसात बिछाने शुरू कर दिए हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले 27 सालों के दौरान बीजेपी अपना वोट बैंक जस का तस बनाये रखने में कामयाब हुई है, तो वहीं कांग्रेस की राजनीतिक जमीन दिल्ली में खिसती दिख रही है, दिल्ली की सत्ता गंवाने के बाद कांग्रेस के वोट शेयर में चुनाव दर चुनाव गिरावट देखने को मिली है और आप का ग्राफ बेहतर होता जा रहा है, दिल्ली की अधिकतर सीटें ऐसी है, जहां आम आदमी पार्टी के उम्मदीवारों ने कम अंतरों से जीत दर्ज की थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर कब रूकेंगी पत्रकरों के ऊपर अत्याचार की घटनाएं

पिछले कुछ सालों से देखा जा रहा सरकार के विरोध में लिखने या प्रसारण करने वाले पत्रकारों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ रहा है। ज्यादातर घटनाएं भाजपा शासित राज्यों में ज्यादा घट रही हैं। ताजा मामला छत्तीसगढ़ का है जहां पत्रकार मुकेश चंद्रकार की हत्या कर दी गई । उनका कसूर बस इतना था कि उन्होंने भ्रष्टाचार की खबर छापी थी। उधर भारतीय प्रेस फाउंडेशन और रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के आंकड़ों के मुताबिक पिछले पांच वर्षों में भारत में लगभग 20 पत्रकारों की हत्या हुई है। इसके अलावा, 30 से अधिक पत्रकारों को गंभीर रूप से चोटें आई हैं, और सैकड़ों अन्य पत्रकारों को उत्पीड़न और धमकियों का सामना करना पड़ा है। वहीं समय-समय पर पत्रकारों ने अपनी सुरक्षा के लिए सरकारों से कई बार मांग की पर कोई सुनवाई नहीं हुई। कमोवेश इस तरह पत्रकारों की हत्या या उनको धमकाने की खबरें देश के प्रत्येक राज्यों आती रहती है। इस तरह की बढ़ती घटनाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

उधर हालांकि मुख्य आरोपी को हैदराबाद से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही मुकेश चंद्रकार की पीएम रिपोर्ट आ गई है। इस रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। उसकों बढ़कर रोंगेट खड़े हो जाएंगे। उधर राज्य का पूरा विपक्ष भाजपा की साय सरकार पर हमलावर भी है। कांग्रेस ने कहा है बीजेपी सरकार में राज्य की कानून व्यवस्था धराशाई हो गइ है। पीएम रिपोर्ट में इस बात का जिक्र है कि मुकेश चंद्रकार की हत्या कितनी बेरहमी से किया गया है। पत्रकार की हालत देखकर डॉक्टर के भी होश उड़ गए थे। पीएम रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि पत्रकार मुकेश चंद्रकार के लीवर के चार टुकड़े थे। यही नहीं, उस जगह पर बुलाकर आरोपियों ने पत्रकार मुकेश चंद्रकार की बेरहमी से पिटाई की गई थी। पीएम रिपोर्ट से पता चलता है कि कई लोगों ने क्रूरता के साथ मुकेश चंद्रकार की हत्या की है। पहले आरोपियों ने जमकर पत्रकार को तड़पाया है। फिर उसकी हत्या की है। पीएम रिपोर्ट में यह बात साफ है कि उसके पांच पसलियों को तोड़ दिया है। आरोपियों ने पत्रकार के सीने पर भी प्रहार किया है। पीएम रिपोर्ट के अनुसार पत्रकार मुकेश चंद्रकार का हार्ट फटा हुआ था। डॉक्टरों के अनुसार हार्ट के चिथड़े उड़े हैं। पिटाई के दौरान आरोपियों ने पत्रकार के हर हिस्से पर किसी भारी हथियार से वार किया है।इसके साथ ही पत्रकार के सिर पर 15 चोट के निशान मिले हैं। पूरी तरह से सिर क्षतिग्रस्त था। सिर की हड्डियां पूरी तरह से टूट चुकी थीं। इसके साथ ही आरोपियों ने पत्रकार मुकेश चंद्रकार की गर्दन की हड्डी भी तोड़ दी थी। जिस तरह से पत्रकार की निर्मम हत्या हुई अब तो सवाल यही उठता है कि इस तरह के जघन्य हत्याएं कब रूकेंगी।

“ कमोवेश इस तरह पत्रकारों की हत्या या उनको धमकाने की खबरें देश के प्रत्येक राज्यों आती रहती है। इस तरह की बढ़ती घटनाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उधर हालांकि मुख्य आरोपी को हैदराबाद से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही मुकेश चंद्रकार की पीएम रिपोर्ट आ गई है। इस रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। उसकों बढ़कर रोंगेट खड़े हो जाएंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अपनों के निशाने पर कांग्रेस पार्टी

रमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस पार्टी इन दिनों अपने ही साथी दलों के निशाने पर है। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी से इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वापस लेने की मांग की जा रही है। इंडिया गठबंधन में शामिल बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी खुले आम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व पर सवाल उठा रही है। उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस करके कांग्रेस पार्टी को इंडिया गठबंधन के नेता पद से हटाने की मांग की हैं। ममता बनर्जी की मांग के समर्थन में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी अपनी सहमति जताई है। इससे इंडिया गठबंधन की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है।

जून 2023 में 26 विपक्षी दलों के साथ बना इंडिया गठबंधन अब टूट के कगार पर खड़ा है। लोकसभा चुनाव में मिली हार और उसके बाद हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई पराजय ने इस गठबंधन को कमजोर कर दिया है। इसी के चलते कांग्रेस के सहयोगी दल ही उसकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाकर अलग राह पकड़ने के संकेत दे रहे हैं। हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने तो कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से बाहर निकलवाने तक की धमकी दे दी है। कांग्रेस द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद से ही आम आदमी पार्टी कांग्रेस से खासी नाराज नजर आ रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस जिस तरह से चुनाव लड़ रही है उससे भाजपा को लाभ मिल रहा है। कांग्रेस नेता अजय माकन व संदीप दीक्षित के बयान विपक्ष को कमजोर करने के लिए भाजपा के कहने पर दिए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद पवार), नेशनल कांफ्रेंस तो खुलकर कांग्रेस की मुखालफत करने लगी है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपनी जीत तय मानकर आम आदमी पार्टी से गठबंधन करने से इनकार कर दिया था।

जिसके चलते आम आदमी पार्टी ने कई सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़कर 1.8 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। जबकि हरियाणा में कांग्रेस को 39.34 प्रतिशत वोट व भाजपा को 39.94 प्रतिशत वोट मिले थे। यदि हरियाणा में कांग्रेस आम आदमी पार्टी से समझौता

करके चुनाव लड़ती तो निश्चय ही सरकार बन सकती थी। मगर कांग्रेस ने अवसर गवां दिया और वहां भाजपा ने आसानी से तीसरी बार पहले से भी अधिक बहुमत से सरकार बना ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में तो समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी थी। जबकि लोकसभा चुनाव कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मिलकर ही लड़ा था। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी की करारी हार होने के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा में आप और समाजवादी पार्टी को सीट ना देकर गलती की थी। पार्टी के मुखपत्र सामना में भी लिखा गया कि कांग्रेस नेताओं के अति आत्मविश्वास और घमंड ने हरियाणा में हार के लिए भूमिका निभाई। पार्टी नेता संजय राउत ने तो यहां तक कह दिया कि कांग्रेस को लगने लगा था कि वह अकेले ही जीत सकती है। इसलिए किसी को भी सत्ता में भागीदार बनाना उचित नहीं समझा था। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस कुल 329 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जिसमें से 145 सीटों पर बिना किसी गठबंधन की अकेले चुनाव लड़ी थी। जिसमें कांग्रेस 37 सीटों पर चुनाव जीती थी। कांग्रेस का बिना किसी दल से गठबंधन में जीत का रेशियो 25.52 प्रतिशत रहा था। जबकि कांग्रेस 184 सीटों पर साथी दलों से गठबंधन करके चुनाव लड़ी थी। इसमें कांग्रेस ने 62 सीट जीती थी और जीत का रेशियो 33.75 प्रतिशत रहा था। कांग्रेस पार्टी को अकेले चुनाव लड़ने की बजाय गठबंधन साथियों की बदौलत बड़ी जीत हासिल हुई थी।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 13 करोड़ 67 लाख 59 हजार 64 यानी 21.29 प्रतिशत वोट मिले थे। गठबंधन करने के कारण 2019 की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 1.91 प्रतिशत अधिक वोट मिले थे। कांग्रेस पार्टी ने पंजाब, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा, तेलंगाना व पश्चिम बंगाल में अपने बूते चुनाव लड़ा था। जबकि बिहार, गुजरात हरियाणा झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, पांडिचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश में गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। अंडमान निकोबार दीप समूह, आंध्र प्रदेश, दादरा नगर हवेली व दमन दीव, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मध्य प्रदेश, मिजोरम, सिक्कि, त्रिपुरा, उत्तराखंड ऐसे प्रदेश है जहां लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सका था।

खातेदारों के भरोसे को कायम करने की चुनौती

सुरेश सेठ

वर्तमान में, आरबीआई की मौद्रिक नीतियों का असर बैंकिंग क्षेत्र पर गहरा है, लेकिन रैपो रेट में परिवर्तन न होने के कारण निवेशकों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके परिणामस्वरूप, मुद्रा प्रवाह में अस्थिरता बढ़ी है और निवेशक विदेशों में अधिक लाभ की तलाश में हैं। बहरहाल, बैंकिंग क्षेत्र के बिना डिजिटल अर्थव्यवस्था की कल्पना असंभव है, क्योंकि पेपरलेस कार्यप्रणाली और आधुनिकीकरण से बैंकिंग में सुधार किया जा रहा है।

पिछले दशकों में देश की आर्थिक दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव लाने की कोशिशें की जाती रही हैं। नरसिम्हा राव की सरकार के दौरान शुरू की गई उदार आर्थिक नीतियों को अब एक नया आयाम दिया जा रहा है। इस प्रयास के तहत, देश की विकास दर, व्यवसाय और निवेश को गति देने के लिए निजी क्षेत्र को प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र को पूरी तरह से कमजोर नहीं किया जा सकता, क्योंकि प्रजातांत्रिक समाजवाद का उद्देश्य उसे प्रोत्साहित करना है, लेकिन अब सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच एक नया संतुलन स्थापित किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप, सार्वजनिक क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ रही है, जो आर्थिक विकास के नए रास्ते खोल रही है। स्व. इंदिरा गांधी के नेतृत्व में 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने बैंकिंग क्षेत्र को व्यापक रूप से प्रभावित किया।

इसके बाद, सार्वजनिक बैंकों का विलय और निजी बैंकों का उत्थान आर्थिक संरचना में बदलाव में सहायक बने। आज निजी बैंकों में रोजगार की संख्या सार्वजनिक बैंकों से अधिक हो गई है, लेकिन इस प्रगति ने कुछ विसंगतियों को जन्म भी दिया है। वर्तमान में, आरबीआई की मौद्रिक नीतियों का असर बैंकिंग क्षेत्र पर गहरा है, लेकिन रैपो रेट में परिवर्तन न होने के कारण निवेशकों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके परिणामस्वरूप, मुद्रा प्रवाह में अस्थिरता बढ़ी है और निवेशक विदेशों में अधिक लाभ की तलाश में हैं। बहरहाल, बैंकिंग क्षेत्र के बिना डिजिटल अर्थव्यवस्था की कल्पना असंभव है, क्योंकि पेपरलेस कार्यप्रणाली और आधुनिकीकरण से बैंकिंग में सुधार किया जा रहा है। नये वर्ष के आगमन के साथ ही भारत की डिजिटल बैंकिंग व्यवस्था ने एक नई दिशा तो ली, लेकिन ग्राहकों की शिकायतें 32.8 प्रतिशत बढ़ गई हैं, जो डिजिटल परिवर्तन के प्रभाव पर सवाल उठाती हैं।

जबकि सार्वजनिक बैंकों का विलय जारी है, निजी बैंक भी अपेक्षित गति से निवेश नहीं बढ़ा पा रहे हैं और न ही ग्राहक सेवा में सुधार कर पा रहे हैं। इसकी मुख्य वजह निजी बैंकों में कर्मचारियों की कमी और नौकरी छोड़ने की उच्च दर है, जिससे संस्थागत ज्ञान की हानि हो रही है। इसके अलावा कृत्रिम मेधा और डिजिटल शक्ति का पूरी तरह से उपयोग नहीं हो पा रहा है। हालांकि, यूपीआई भुगतान सुविधाजनक है, लेकिन बैंकिंग धोखाधड़ी में 28 प्रतिशत की वृद्धि ने ग्राहकों का विश्वास हिलाया है। उपभोक्ता हमेशा उम्मीद करते हैं कि रैपो रेट में कटौती की जाए, जिससे उन्हें सस्ते कर्ज मिलेंगे और उनकी ईएमआई घटेगी। लेकिन ऐसा नहीं होता, और इस कारण बैंकों में विकास, विस्तार और लाभ की गति में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पा रही है।

भारत में लोगों के पास अकूत सोना है, जो आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा का एक अहम स्रोत माना जाता है। हालांकि देश सोने का बड़ा उत्पादक नहीं है, लेकिन यदि बैंकिंग व्यवस्था सही तरीके से विकसित होती, तो स्वर्ण बांड्स का प्रचार-प्रसार अधिक होता। निजी वित्तीय संस्थानों ने स्वर्ण बांड्स को प्राथमिकता दी है, लेकिन वे आम जनता में विश्वास नहीं जगा सके और उन्हें अपने सोने को बांड्स में निवेश करने के लिए प्रेरित नहीं कर पाए। नये वर्ष में गोल्ड बांड्स की सीमाओं और संभावनाओं पर पुन: विचार किया जाना चाहिए और लोगों को अपने घर में रखे सोने को स्वर्ण बांड्स में निवेश करने के लिए उत्साहित किया जाना चाहिए। हालांकि हम यह कहते हैं कि नया युग मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग का है, लेकिन उपभोक्ताओं की शिकायतों पर विचार करना जरूरी है। आंकड़े दर्शाते हैं कि बैंकिंग से संबंधित शिकायतें लगातार बढ़ी हैं, वहीं दूसरी ओर जमा खातों से जुड़ी शिकायतों में भी इजाफा हो रहा है। इन शिकायतों का समाधान तत्काल किया जाना चाहिए, ताकि बैंकों के प्रति उपभोक्ताओं का दृष्टिकोण सकारात्मक बना रहे। तभी हम डिजिटल बैंकिंग के इस नये रूप का सही तरीके से उपयोग कर सकते हैं, जो देश के आर्थिक और निवेश नवाचार में योगदान कर सके।

बैंकिंग, कृत्रिम मेधा और डिजिटल पावर का उपयोग देश की आर्थिक तरक्की के लिए किया जा सकता था, लेकिन आम लोगों में कृत्रिम मेधा के प्रति अविश्वास उसके गलत इस्तेमाल के कारण उत्पन्न हो रहा है। साइबर अपराधियों ने इन तकनीकों का दुरुपयोग करना शुरू कर दिया है, जिससे 5जी और 6जी जैसी नई तकनीकों के प्रति विश्वास भी कमजोर हुआ है। जहां एक ओर हम डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का दावा करते हैं, वहीं ठग और धोखेबाज मासूम खातेदारों के खातों से पैसा चुराकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल कर देते हैं। पुलिस इसका कोई ठोस समाधान नहीं कर पा रही है। नये वर्ष के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि साइबर अपराध रोकने और कृत्रिम मेधा के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए त्वरित कदम उठाए जाएंगे, ताकि बैंकिंग क्षेत्रों में बढ़ती समस्याओं को समाप्त किया जा सके।

चेहरे पर निखार लाने के लिए करें ये योगासन

हलासन से त्वचा को ऑक्सीजन मिलती है और टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। इससे चेहरे का ग्लो बना रहता है।

एक बच्चे की त्वचा बेहद कोमल और खूबसूरत होती है। वहीं जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, चेहरे का निखार कम होने लगता है। उम्र बढ़ने के साथ झुर्रियां, पिगमेंटेशन,एक्ने और मुहांसे जैसी समस्या आम हो जाती है। लोगों को लगता है कि महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स, स्किन केयर रूटीन से त्वचा में निखार आता है। लेकिन प्राकृतिक तरीके से त्वचा में चमक और निखार के लिए आपको एक भी पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं होती है। योग एक ऐसी क्रिया है जो त्वचा को चमकदार, निखार और बच्चों जैसी बना सकती है। अधिक आयु में भी आपके चेहरे का ग्लो ऐसा होगा कि लोग आपकी उम्र का अंदाजा नहीं लगा सकते। यानी योग एंटी एजिंग का एक विकल्प है। स्वस्थ खानपान और अच्छी जीवनशैली के साथ ही योग के अभ्यास की आदत बना लें। तो आप 40-45 की आयु में जवान दिखें। सुंदर त्वचा पाने के लिए ताड़ासन, शवसन और हलासन का अभ्यास करना काफी फायदेमंद साबित होता है।

उम्र का भी नहीं चलता पता

शवासन

इस आसन से स्ट्रेस दूर होता है और चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाता है। शरीर और मन को गहरी शांति मिलती है। शवासन के अभ्यास के लिए पीठ के बल लेटकर हाथों और पैरो को फैला लें। स्वाभाविक रूप से सांस लें। जितनी देर चाहें इस मुद्रा में रहें। कोई भी योगा सेशन शवासन के अभ्यास के बिना कभी पूरा नहीं हो सकता। इसे परम योगिक विश्राम आसन माना जाता है। शवासन करने से आपके शरीर और मन दोनों को आराम मिलता है। इसके अभ्यास के दौरान आप अपने दिमाग में चल रहे नकारात्मक विचारों पर काबू पाने की कोशिश करते हैं। यही इसे सबसे कठिन आसनों में से एक बनाता है। शवासन का अभ्यास हर किसी शारीरिक अभ्यास को पूरा करने के बाद किया जा सकता है या फिर जब भी आप दिन में थका हुआ महसूस कर रहे हैं, तो इसका अभ्यास शरीर को पूरी तरह से आराम देने में मदद करता है।

हलासन

इस आसन से त्वचा को ऑक्सीजन मिलती है और टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। इससे चेहरा निखरता है और चेहरे का ग्लो बना रहता है। हलासन के अभ्यास के लिए अपनी बाजुओं को अपने शरीर के बगल में रखें, हथेलियां नीचे की ओर रखें। अपने पैरों को फर्श से 90 डिग्री के कोण तक उठाएं। ऐसा करते हुए अपने कूल्हों को जमीन से ऊपर उठाने के लिए अपने पेट की मांसपेशियों का उपयोग करें। अपने पैरों को ऊपर की ओर लाएं। जैसे ही आपके पैर आपके सिर से आगे बढ़ें, अपनी पीठ को अपने हाथों से सहारा दें। धीरे-धीरे अपने पैरों को नीचे लाएं। ऐसा तब तक करें जब तक कि आपके पैर की उंगलियां आपके सिर के पीछे फर्श को न छू जाएं। यदि आपके पैर की उंगलियां फर्श तक नहीं पहुंचती हैं, तो अपने पैरों को हवा में रखते हुए आरामदायक स्थिति बनाए रखें। अब अपनी पीठ को फर्श से सीधा रखें और अपनी ठुड्डी को अपनी छाती से सटा लें। ऐसा करते हुए गहरी सांस लें और इस मुद्रा में जब तक आरामदायक हो तब तक बने रहें। इसके बाद अपनी पुरानी पोजीशन में वापस आ जाएं।

ताड़ासन

इस आसन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर हाथों को ऊपर की ओर ले जाएं। यह आसन पूरे शरीर में खिंचाव लाता है और चेहरे की त्वचा को प्राकृतिक चमक देने में सहायक होता है। ताड़ासन को सरल आसनों की श्रेणी में रखा जाता है, क्योंकि इस आसन को करना बहुत ही आसन माना जाता है, इस आसन को खड़े होकर किए जाने वाले आसनों की नीव कहा जाता हैं, यह आसन करने से आपके शरीर को आकर्षित बनाने, लंबाई बढ़ने के साथ ही साथ पाचन तंत्र, मधुमेह और आसन के पोस्चर को ठीक करने, आपके छोटे से छोटे मांशपेशियों को लचीला बनाने, में मदद करता हैं, साथ ही ये आपको चुस्त और दुरुस्त बनाने में भी सहायक है, इस आसन को नियमित करने से आपके शरीर में जमी चर्बी को भी कम करके आपका वजन कम करने में मदद करता है।

हंसना मना है

लड़का और लड़की एक रेस्टोरेंट गए, वेटर- मैम, आप कुछ लेंगी? लड़की- भैया एक सब्जी वाली रोटी लाना.. वेटर- क्या? लड़का-गांव से आयी है, पिज्जा वाली रोटी मांग रही है।

संता- डॉक्टर साहब, प्लास्टिक सर्जरी में कितना खर्चा आएगा? डॉक्टर- 50 हजार, संता- अगर प्लास्टिक मैं लेकर दूं तो? डॉक्टर- तो पिघला कर चिपका भी लेना।

पापा- दिन भर फेसबुक पर बैठा रहता है, ये तुझे रोटी नहीं देने वाली, बेटा- पापा मुझे भी पता है रोटी नहीं देगी, पर रोटी बनाने वाली तो यहीं मिलेगी!

सरदार अपनी बीवी के साथ टैक्सी में बैठा, ड्राइवर ने आईना सेट किया, ये देखते ही सरदार (गुस्से में)- मेरी बीवी को देखता है, तु पीछे बैठ टैक्सी मैं चलाऊंगा!

पप्पू अपने ससुराल में गुरुजी का प्रवचन सुनने गया! गुरुजी बोले, जो-जो स्वर्ग जाना चाहता है, वह अपना हाथ ऊपर करें! पप्पू की बीवी और सास ने हाथ ऊपर उठाया ! गुरूजी ने पप्पू जी से पूछा, 'क्या तुम स्वर्ग नहीं जाना चाहते? पप्पू, गुरुजी, यह दोनों चली जायेंगी तो यही पर स्वर्ग हो जायेगा, गुरूजी अपने चेलों से बोले इस ज्ञानी पुरूष को अपनी टीम में शामिल करो।

कहानी | सांप की सवारी करने वाला मेंढक

वरुण पर्वत के पास एक राज्य में बड़ा सा सांप मंदविष भी रहता था। बूढ़ा होने की वजह से वह आसानी से अपना शिकार ढूंढ नहीं पाता था। एक दिन वो मेंढकों से भरे हुए तालाब के पास पहुंचा। वह दुखी होकर एक पत्थर बैठ गया। एक मेंढक ने पूछा, चाचा, क्या बात है, अपने लिए भोजन नहीं जुटाएंगे। सांप ने रोनी सी सूरत बनाकर कहा, मैं आज मेंढक के पीछे-पीछे जा रहा था। तो वह ब्राह्मणों के झुंड में जाकर छुप गया। मैं भोजन के चक्कर में ब्राह्मण की बेटी को काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जिससे ब्राह्मण ने मुझे श्राप दे दिया। उन्होंने कहा कि तुझे अपना पेट भरने के लिए मेंढकों की सवारी बनना पड़ेगा। इसी वजह से मैं इस तालाब के पास आया हूं। मेंढक ने अपने राजा को सारी बातें बताई। राजा को पहले तो यकीन नहीं हुआ, लेकिन बाद में मेंढकों का राजा जलपाक सांप के फन पर जाकर बैठ गया। राजा को ऐसा करते देखकर अन्य मेंढकों ने भी ऐसा ही किया। सांप ने उन्हें घुमा रहा था। मेंढकों के राजा ने कहा, जितना मजा मुझे सांप की सवारी करके आया, उतना मुझे आज तक किसी की सवारी करके नहीं आया। अब धीरे-धीरे सांप रोज मेंढकों की सवारी बनने लगा। कुछ दिन बाद सांप ने अपने चलने की गति थोड़ी धीमी कर दी। जलपाक ने पूछा, हे! सर्प तुम्हारी चाल इतनी धीमी क्यों है? सांप ने कहा, एक तो मैं बूढ़ा हूं और ब्राह्मण के श्राप की वजह से बहुत दिनों से भूखा भी हूं। इसी वजह से मेरी गति कम हो गई है। राजा ने कहा तुम छोटे-छोटे मेंढक को खा लो। यह सुनकर मन ही मन सांप बहुत प्रसन्न हुआ। उसने कहा, राजन मुझे ब्राह्मण का श्राप है। मैं मेंढक खा नहीं सकता हूं, लेकिन अगर आप कहते हैं तो मैं खा लेता हूं। ऐसा करते-करते वह रोज छोटे-छोटे मेंढक खाने लगा और वह तंदुरुस्त हो गया। मेंढक सांप की चाल अब तक नहीं समझ पाए थे। एक दिन सांप ने मेंढक के राजा जलपाक को भी खा लिया और तालाब में रहने वाले सारे मेंढकों के वंश का नाश कर दिया।

7 अंतर खोजें

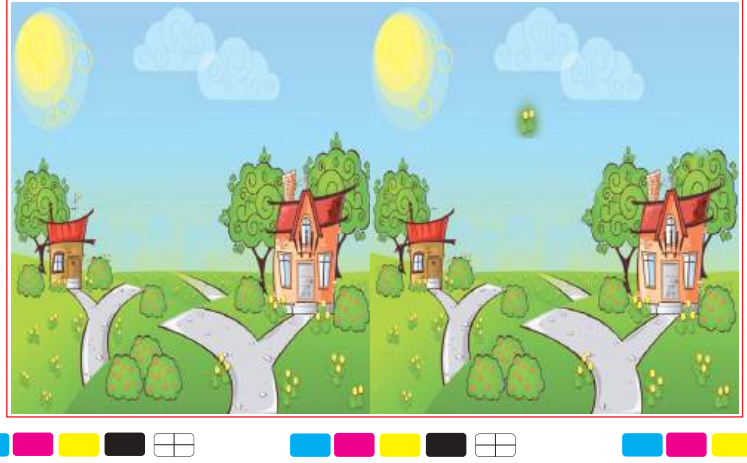

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। प्रॉपर्टी के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

वृषभ

पारिवारिक यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

मिथुन

आज नौकरीपेशा की व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क

आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा। अपनी कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह

आज शत्रु शांत बने रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है।

कन्या

भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे।

तुला

अचानक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

वृश्चिक

आज का दिन प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता वाला रहेगा। नौकरीपेशा वर्ग को शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। चिंता रहेगी।

धनु

आज कार्य को लेकर नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होने से बॉस खुश रहेंगे। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी।

मकर

व्यापारिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। किसी बात को लेकर भय बना रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कुम्भ

नौकरी में अपेक्षानुरूप कार्य नहीं होंगे। अधिकारी वर्ग की नाराजी झेलना पड़ेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मीन

आज कारोबारी लाभ में धन की वृद्धि होगी। नौकरी में शांति बनी रहेगी। कार्यस्थल पर सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। अपने विवेक से कार्य करें।

बॉलीवुड | रिलीज

इमरजेंसी के ट्रेलर को एक्स पर मिले पूरे नंबर

इतिहास खुद को दोहराने वाला है। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि बहुप्रतीक्षित पीरियड पॉलिटिकल ड्रामा इमरजेंसी सिनेमाघरों में आने से बस दो हफ्ते दूर है। फिल्म के रिलीज होने के साथ ही कंगना के फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि कंगना रनौत न केवल इस फिल्म में अभिनय कर रही हैं बल्कि भारतीय राजनीति के सबसे विवादास्पद दौरों में से एक इस बोल्ड सिनेमैटिक फिल्म को निर्देशित भी कर रही हैं। एक्स पर फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। 2025 में 1975 की इमरजेंसी के 50 साल पूरे हो रहे हैं और कंगना ने इंदिरा गांधी का जो किरदार निभाया है, उसने दर्शकों को चौंका दिया है। दिवंगत प्रधानमंत्री की बॉडी लैंग्वेज, हाव-भाव और आवाज को बखूबी निभाने तक, कंगना केवल एक किरदार नहीं निभा रही हैं, बल्कि भारतीय राजनीति का काला अध्याय पर्दे पर दिखाने वाली हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, ट्रेलर देखकर स्पीचलेस हो गया हूं। कंगना का पांचवां नेशनल अवॉर्ड जल्द ही आने वाला है। दूसरे यूजर ने ट्रेलर की आलोचना करते हुए लिखा, यह ट्रेलर देखकर लगता है कि बॉलीवुड एक अच्छी फिल्म दिखाना भूल गया है। इमरजेंसी का कितना घटिया ट्रेलर है और कंगना रनौत की आवाज तो देखिए। कोई भोजपुरी अभिनेत्री भी उनसे बेहतर एक्सप्रेशन दे सकती है। एक और यूजर ने लिखा, भाई, कंगना की इमरजेंसी का ट्रेलर एक मास्टर क्लास है। इंदिरा गांधी का किरदार कोई इतना बढ़िया नहीं निभा सकता था। अभिनेत्री के एक फैन ने ट्रेलर की तारीफ करते हुए लिखा, कंगना रनौत को उनके बेहतरीन अभिनय के लिए सलाम। 17 जनवरी को अपने कैलेंडर पर निशान लगाएं और अपने नजदीकी सिनेमाघरों में फिल्म देखें। कंगना की तारीफ करते हुए एक फैन ने लिखा, इमरजेंसी ट्रेलर ने मुझे सिहरन पैदा कर दी, इंदिरा गांधी के रूप में कंगना रनौत ने कमाल की एक्टिंग की है।

फिर कानूनी मुसीबत में फंसी नयनतारा

कॉपीराइट मसले पर चंद्रमुखी के निर्माताओं ने भेजा नोटिस

लेडी सुपरस्टार नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरी टेल जब से रिलीज हुई है, अभिनेत्री कानूनी मुसीबत में घिरी हैं। यह डॉक्यूमेंट्री बीते वर्ष नवंबर में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। इसके बाद अभिनेता धनुष ने नयतनतारा को कानूनी नोटिस भेजा। दरअसल, डॉक्यूमेंट्री में धनुष के प्रोडक्शन की फिल्म नानम राउडी धान के कुछ सेकेंड के बीटीएस फुटेज शामिल किए गए। धनुष ने बिना अनुमति फिल्म का कंटेंट इस्तेमाल करने को लेकर अभिनेत्री को कानूनी नोटिस भेजकर 10 करोड़ रुपये की मांग की। नयनतारा ने सार्वजनिक रूप से बयान जारी कर इस पर प्रतिक्रिया दी थी। अब डॉक्यूमेंट्री पर एक नया विवाद सामने आया है। धनुष ने नयनतारा उनके पति व निर्देशक विग्नेश शिवन और नेटफ्लिक्स के खिलाफ मुकदमा किया था। अब नयनतारा की सुपरहिट फिल्म चंद्रमुखी के निर्माताओं ने भी अभिनेत्री व नेटफ्लिक्स को नोटिस भेजा है। आरोप है कि नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री में चंद्रमुखी की क्लिप का इस्तेमाल किया गया है। निर्माताओं ने नयनतारा और नेटफ्लिक्स को कानूनी नोटिस भेजकर फिल्म के कंटेंट के बगैर अनुमित इस्तेमाल के लिए पांच करोड़ रुपये की मांग की है। अपनी डॉक्यूमेंट्री की रिलीज के बाद नयनतारा के सामने लगातार कानूनी चुनौतियां आ रही हैं। धनुष के कानूनी नोटिस भेजने के बाद नयनतारा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुलासा किया था कि धनुष ने कथित कॉपीराइट उल्लंघन के लिए 10 करोड़ रुपए की मांग की। अब चंद्रमुखी के मेकर्स ने जब नोटिस भेजा है तो अभिनेत्री के फैंस और इंडस्ट्री को इंतजार है कि इस मसले पर नयनतारा कब चुप्पी तोड़ती हैं। नयनतारा साउथ की चर्चित अभिनेत्री हैं। उन्होंने मलयालम, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में अपने अभिनय का दम दिखाया है। शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया और छा गईं। नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री की बात करें तो यह 18 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। नयनतारा के निजी जीवन की बात करें तो साल 2022 में उन्होंने विग्नेश शिवन से शादी रचाई। कपल के जुड़वा बच्चे- यूइर और उलगम हैं।

बिश्नोई गैंग की धमकी के बीच सुरक्षा बढ़ा रहे भाईजान

सलमान खान के मुंबई स्थित घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। गैलेक्सी अपार्टमेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया जिसमें कुछ कर्मचारी अभिनेता के घर की बाहरी दीवार पर कुछ सुरक्षा गैजेट लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि अभी तक कोई जानकारी नहीं है, लेकिन वीडियो ने प्रशंसकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या बॉलीवुड सुपरस्टार के साथ सब ठीक है। भाईजान के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट की बालकनी में मरम्मत का काम जारी है। सुरक्षा में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में की गई है, जब सलमान खान को कई बार जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं, जिनमें जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह की ओर से धमकियां मिल रही हैं। अप्रैल 2024 में, मुंबई के बांद्रा इलाके में सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर गोलीबारी की गई थी। बाद में, यह बताया गया कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह पर हमले के पीछे होने का आरोप है। गैंगस्टर के भाई अनमोल बिश्नोई ने एक फेसबुक पोस्ट के माध्यम से गोलीबारी की घटना की जिम्मेदारी ली थी। बाद में, मुंबई ट्रैफिक पुलिस को भी गिरोह से एक संदेश मिला, जिसमें सलमान की माफी के लिए 5 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। संदेश में धमकी दी गई थी कि अगर मांग पूरी नहीं की गई, तो उनका हश्र बाबा सिद्दीकी से भी बुरा होगा। बता दें कि बाबा सिद्दिकी की 12 अक्तूबर, 2024 को मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मालूम हो कि अक्तूबर 2024 में, अभिनेता ने लगभग दो करोड़ रुपये की बुलेटप्रूफ निसान पेट्रोल एसयूवी भी खरीदी, जिसे दुबई से सीधे मुंबई लाया गया। इसके अलावा, मुंबई के फिल्म सिटी में बिग बॉस 18 के सेट के बाहर भी सुरक्षा इंतजाम काफी तगड़ा है। इस बीच वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान अपनी अगली फिल्म सिकंदर के लिए कमर कस रहे हैं, जिसका निर्देशन साजिद नाडियाडवाला और एआर मुरुगादॉस ने किया है। ईद 2025 पर रिलीज होने वाली इस फिल्म में रश्मिका मंदाना, सत्यराज, प्रतीक बब्बर, शरमन जोशी और काजल अग्रवाल जैसे कई स्टार कलाकार हैं।

बॉलीवुड | मसाला

दुनिया का सबसे गरीब देश, हर तीन में एक व्यक्ति है बेरोजगार!

भारत में जब आम गरीबों को सड़क पर भीख मांगते, या ट्रेनों के बगल में झुग्गी-झोपड़ियां बनाए हुए देखते होंगे तो आपकी उनकी स्थिति पर दया आती होगी। पर इसके बावजूद भारत खुद को आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने की राह पर है और हमारा देश कई मजबूत अर्थ व्यवस्थाओं से बेहतर कर रहा है। मगर सोचिए कि जो देश दुनिया का सबसे गरीब देश होगा, उसकी क्या हालत होगी! आज हम आपको दुनिया के सबसे गरीब देश से जुड़ी ऐसी बातें बताने जा रहे हैं जो आपको चौंका देंगी। अफ्रीका का छोटा सा देश बुरुंडी दुनिया का सबसे गरीब देश है। यूट्यूब चैनल रूही सेनेट ने इस देश से जुड़ा एक वीडियो यूट्यूब पर पोस्ट किया था जिसमें बताया गया कि इस देश की आबादी करीब 1।2 करोड़ है। पर यहां के लोगों की सालाना आमदनी 180 डॉलर प्रति वर्ष, यानी 14 हजार रुपये प्रति साल है। रूही सेनेट के वीडियो के अनुसार देश इतना गरीब है कि यहां हर 3 में से एक व्यक्ति बेरोजगार है और लोगों के पास घर चलाने के लिए पर्याप्त पैसे या संसाधन ही नही हैं। इस देश में जॉगिंग बैन है। जी हां, बुरुंडी में जॉगिंग करना बैन कर दिया गया है। दरअसल, ये देश साल 2005 तक आंतरिक कलह और युद्ध से ग्रसित था। लोग देश के हालात और बंदिशों से इतने दुखी थे कि समूह में जॉगिंग करने निकल जाया करते थे और पास के पहाड़ तक जॉगिंग करते थे। वहां के राष्ट्रपति पियरे नकरुंजीजा को लगा कि शायद ये लोगों की साजिश है और वो सरकार के खिलाफ हिंसा करने के फिराक में हैं। बीबीसी के अनुसार बस इसी कारण से यहां साल 2014 में जॉगिंक को बैन कर दिया गया। बुरुंडी में भले ही भुखमरी और अस्थिरता हो, पर इस देश में कई खूबसूरत और प्राकृतिक चीजें भी हैं। यहां दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा और गहरा ताजे पानी का तालाब है। इसका नाम Lake Tanganyika है। इस देश में कई आदमखोर मगरमच्छ भी हैं। एंजॉय ट्रैवल वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार यहां एक बड़ा नील नदी का मगरमच्छ है। दावा किया जाता है कि ये आदमखोर है और इसने 300 से ज्यादा लोगों की जान ली है। 1996 में इस देश ने ओलंपिक्स में पहला गोल्ड मेडल जीता था। Venuste Niyongabo ने 5000 मीटर की दौड़ में ये मेडल जीता था।

अजब-गजब | दुनिया में भीड़ को नियंत्रित करने का गजब तरीका

सबसे अनुशासित देश में दिखा अनोखा नजारा!

अनुशासन से इंसान सुधरता है और देश संवरता है! अगर इस बात पूरी तरह कोई देश मानता है तो वो जापान। फीफा वर्ल्ड कप के मैच से लेकर जापान के वायरल होने वाले वीडियोज तक में आपको जापान का अनुशासन साफ नजर आ जाएगा। फुटबॉल मैच खत्म होने के बाद जापानी लोग फेंकी हुई बोतलों को जुटाकर डस्टबिन में फेंकते हुए कई बार नजर आ चुके हैं। यही वजह है कि बहुत से लोग इस देश को 'दुनिया का सबसे अनुशासित देश' मानते हैं।
अब इस देश से जुड़ा एक और वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें भीड़ को नियंत्रित करते हुए दिखाया गया है। ट्विटर अकाउंट पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें जापान के एक बेहद भीड़भाड़ वाले इलाके का दृश्य नजर आ रहा है। ट्विटर अकाउंट से इस वीडियो को शेयर किया गया है जिसमें इससे जुड़ी जानकारी दी गई है। ट्वीट के अनुसार ये जापानी स्टाइल का क्राउड मैनेजमेंट है। वीडियो में टोक्यो की कॉमिक मार्केट दिखाई दे रही है जहां लगभग हर रोज 5 लाख लोग आते हैं। यहां लोगों को 7 कतारों के एक ग्रुप में खड़ा कर दिया जाता है। जैसे ही एक ग्रुप जगह से हटता है, वैसे ही दूसरा ग्रुप उसकी जगह ले लेता है। इस तरह इलाके में भीड़ नहीं होती है। वीडियो में भी ऐसा होते आप देख सकते हैं। सबसे ज्यादा तारीफ की बात ये है कि लोग भी इस नियम का पालन कर रहे हैं। अक्सर लोग ऐसे नियमों को ताक पर रखकर ही आगे बढ़ जाते हैं। इस वीडियो को 21 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि ऐसा करने के लिए लोग भी इच्छुक होने चाहिए। एक ने कहा कि अमेरिका में ऐसा कभी भी नहीं मुमकिन हो पाएगा। कई लोगों को ये तरीका बेहद अजीब लगा। उन्होंने कहा कि अगर वहां ये सब नियम फॉलो किए जाते हैं तो वो जापान कभी नहीं जाएंगे!

ठीक नहीं नीतीश का दिमाग : तेजस्वी

» नेता प्रतिपक्ष बोले- थक चुके हैं सीएम रिटायर्ड अफसर चला रहे बिहार में सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कहा- पीके को किसी छात्र से कुछ लेना देना नहीं

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए उन्हें एक ऐसा नेता बताया जो थका हुआ है और उनका दिमाग ठीक नहीं है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार थक चुके हैं और रिटायर्ड अफसरों के सहारे सरकार चला रहे हैं। कोई भी निर्णय लेने लायक नीतीश कुमार अब नहीं रहे हैं। पूरी तरीके से हाईजैक हो रखे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में पुलिस ने अपराधियों के आगे घुटने टेक दिए हैं।

आज भी 156 अपराधों की सूची मैंने जारी की है।

तेजस्वी ने साफ तौर पर कहा कि अब नीतीश कुमार की साख नहीं रही है। यादव के अनुसार, कुमार के नेतृत्व में चल रही प्रगति यात्रा एक विकासात्मक पहल से अधिक वित्तीय बोझ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 272 करोड़ रुपये की लागत वाली यह यात्रा अनिवार्य रूप से राज्य के संसाधनों को खत्म कर रही है। उन्होंने टिप्पणी की, यह कुमार की प्रगति यात्रा नहीं बल्कि अधिकारियों की लूट यात्रा है।

यादव शनिवार की रात मोतिहारी पहुंचे और सर्किट हाउस में आराम करने के बाद मीडिया को संबोधित किया। इसके बाद, पार्टी के सदस्यों ने बापू सभागार में दर्शन सह संवाद यात्रा में भाग लिया, जहां लगभग 5,000 लोग एकत्र हुए। प्रशांत किशोर को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा कि एक कहानी लिखी गई है जिसमें एक निर्देशक, निर्माता, फाइनेंसर, अभिनेता, वैनिटी वैन है, कौन ये करा रहे हैं किस वजह से करा रहे हैं ये हम जानते हैं। किसी को छात्रों से लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरी तरीके से एक फिल्म दिखाई जा रही है, एक नैरेटिव सेट करने की कोशिश की जा रही है। जिससे हम अवगत हैं। ये भाजपा की बी टीम है।

प्रशांत किशोर इस बार खुद के लिए मैनजमेंट कर रहे हैं : शाहनवाज

बिहार के आरा में सोमवार को बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज ने पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों की मांग को लेकर हो रहे राजनीति पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए जनसुराज के सुत्रधार प्रशांत किशोर पर जमकर हमला बोला। इस दौरान शाहनावाज हुसैन ने कहा कि बीपीएससी की जो परीक्षा थी, उसमें एक केंद्र को लेकर विवाद था। जो विवाद अब समाप्त हो गया है, फिर से री-एग्जाम हो गया है और कोई इल्जाम किसी ने नहीं लगाया था। लेकिन प्रशांत किशोर एक नई गाथा अपनी एक लिख रहे थे और कह रहे थे कि डेढ़ करोड़ रेट है, जिसका कोई साक्ष्य नहीं और प्रमाण नहीं है। सिर्फ पब्लिक स्टैंट के लिए यह काम किया। शाहनवाज बोले, वह इवेंट मैनेजर रहे हैं और कई पार्टियों के लिए इवेंट करते रहे। अब वो इवेंट अपने लिए कर रहे हैं। उनको लगा कि जब उपचुनाव हुआ तो चारो जगह उपचुनाव में एक जगह उनको वोट कुछ मिल गया। मुसलमान के नाम पर, एक जगह मिल गया। पासवान के नाम कंडिडेट को और असली चीज तब हुई, जब उनको 5-5 हजार वोट मिला। चर्चा से गायब हो गए थे, यूट्यूब भी पूछना बंद कर दिया था तो पब्लिसिटी के लिए इवेंट प्लान किया कि छात्रों के आंदोलन में घुसपैठ करते हैं तो छात्रों के आंदोलन में घुस गए। कोई भी छात्रों के साथ नहीं है। प्रशासन ने 42 लोगों को उठाया है, उसमें एक भी बीपीएससी का छात्र नहीं है। यह जो नेता हैं, जो ख्वाब देख रहे हैं कि बिहार की सत्ता में आने का, वह सपने देखने वाले लोग वहां इकट्ठे थे और रात में भी सपना देख रहे थे। सुबह में भी सपना देख रहे थे। लेकिन उपचुनाव में उनके सपने अधूरे रह गए, ख्वाब अधूरा रह गया और अब वह छात्रों के आंदोलन के नाम पर सिर्फ राजनीति में एंट्री का पॉइंट बना रहे हैं।

सपा सांसद एसपी सिंह से 1.60 करोड़ की ठगी

» आरोपी ने जिस जमीन पर लिया कर्ज उसे ही बेच दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रतापगढ़ से सपा सांसद व लखनऊ पब्लिक स्कूल (एलपीएस) के प्रबंधक डॉ. एसपी सिंह से आलमबाग के आनंद नगर निवासी भूमिका कक्कड़ ने जमीन और दो दुकानों के नाम पर 1.60 करोड़ रुपये ऐंठ लिए। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के आदेश पर आलमबाग पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। डॉ. एसपी सिंह के मुताबिक आनंद नगर में स्कूल की एक शाखा है। इससे सटी जमीन पर भूमिका कक्कड़ व उसके चाचा विनोद कुमार की हिस्सेदारी थी। जमीन पर भूमिका और उसकी बहन शिल्पी की दुकानें भी बनी थीं। जमीन व दुकानों का सौदा 2.80 करोड़ में तय हुआ था। भुगतान करने पर तीनों ने उनके नाम रजिस्ट्री कर दी थी।

भूमिका को अपने हिस्से के 1.60 करोड़ मिले थे। उसने दो दुकानें खाली करने के लिए एक माह का समय मांगा था। इस बीच पीड़ित को पता चला कि भूमिका की जमीन का 24 हजार रुपये कर बकाया था। ऐसे में जमीन व उससे सटे स्कूल के हिस्से को भी नगर निगम ने सील कर दिया था। पीड़ित ने जब कर चुकाया तो पता चला कि भूमिका ने जमीन पर 2019 में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया होम फाइनेंस शाखा स्टेशन रोड से कर्ज भी लिया था। इसकी जानकारी किस्त न भरने पर बैंक कर्मियों के आने पर हुई। जब आरोपी से पूछताछ करनी चाही तो भूमिका फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देने लगी। इंस्पेक्टर कपिल गौतम के मुताबिक मामले की तफ्तीश चल रही है।

अब प्रदर्शन बनेगा भारतीय टीम में चयन का आधार

» घरेलू सत्र के बाद बीसीसीआई ले सकता है कड़े फैसले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विराट-रोहित के भी घरेलू सत्र में खेलने की उम्मीद

नई दिल्ली। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने आसानी से आत्मसमर्पण करने वाली भारतीय बल्लेबाजी सवालों के घेरे में है। ऑस्ट्रेलिया के हाथों 1-3 से हार के बाद फरवरी तक चलने वाले घरेलू सत्र के बाद अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति बड़े फैसले ले सकती है। यह भी तय माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया में विफल रहे स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, रोहित शर्मा समेत अन्य क्रिकेटरों को घरेलू क्रिकेट में अपनी उपयोगिता साबित करते हुए फिर से चयन का दावा ठोकना होगा।

हालांकि भारतीय टीम के बदलाव के कठिन दौर में बल्लेबाजी से ज्यादा गेंदबाजी के विकल्प ज्यादा परेशान करने वाले हैं। रोहित और विराट के खराब प्रदर्शन के बाद इन दोनों क्रिकेटरों का भविष्य अधर में है, लेकिन चयन समिति के पास यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं कि अगर दोनों दिग्गज बाहर भी हो जाते हैं तो बल्लेबाजी क्रम पहले जैसा मजबूत बना रहे। हालांकि गेंदबाजी में यह बात उतनी मजबूती से नहीं कही जा सकती है।

ऑस्ट्रेलियाई दौरे के बाद रणजी ट्रॉफी का दूसरा दौर शुरू होने वाला है, विजय हजारे ट्रॉफी वनडे टूर्नामेंट भी चल रहा है। घरेलू सत्र फरवरी तक चलेगा। कोच गौतम गंभीर समेत दिग्गज सुनील गावस्कर पहले ही कह चुके हैं कि सभी क्रिकेटरों को घरेलू टूर्नामेंटों में खेलना चाहिए। बीसीसीआई से जुड़े सूत्र बताते हैं कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे वरिष्ठ क्रिकेटरों से मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर घरेलू टूर्नामेंट में खेलने को लेकर बात कर सकते हैं। विराट कोहली अंतिम बार 2012 में यूपी के खिलाफ गाजियाबाद में दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी में खेले थे, जबकि रोहित शर्मा अंतिम बार रणजी ट्रॉफी में 2015 में खेले थे।

चैंपियंस ट्रॉफी में शमी-हार्दिक की हो सकती है वापसी

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की तारीखें जैसे-जैसे नजदीक आ रही हैं, फैंस के मन में टीम चयन को लेकर उत्सुकता और बढ़ती जा रही है। मिनी वर्ल्ड कप के नाम से जाना जाने वाला यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से पाकिस्तान और यूएई में खेला जाएगा। इसके लिए अभी तक भारतीय टीम का एलान नहीं हुआ है। अजीत अगरकर की अगुआई में चयनकर्ता इसके लिए जल्द ही टीम का एलान कर सकते हैं। हालांकि, चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट के लिए चयनकर्ता ज्यादा प्रयोग करने के पक्ष में नहीं होंगे। रोहित शर्मा का कप्तान बनना तय है, लेकिन सबकी नजर जसप्रीत बुमराह की चोट पर है, इसके अलावा मोहम्मद शमी और हार्दिक पांड्या की वापसी पर भी सभी की नजरें होंगी। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम के एलान की अंतिम तारीख 12 जनवरी है। चैंपियंस ट्रॉफी के साथ-साथ इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए भी टीम का एलान होगा और दोनों ही टीमों में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है।

बच्चों के विवाद में फायरिंग, मामला दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के बेलवारे गांव में सोमवार की शाम बच्चों के विवाद ने तूल पकड़ लिया, मामला इस कदर आगे बढ़ा कि फायरिंग की नौबत आ गयी। जानकारी के अनुसार प्रेमकुमार वर्मा ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया कि उसके बच्चे गांव के की प्राथमिक स्कूल में गेंद खेल रहे रहे थे उसी समय उसी गांव के सचिन्द्रनाथ वर्मा पुत्र राम चरित्र वर्मा की बेटियां भी आ गयीं और बच्चों से कहासुनी हो गयी।

जिसके बाद प्रेम कुमार विपक्षी राम चरित्र के घर मामले की शिकायत करने गए उसी समय वहां पर गोपालपुर दुबे निवासी अरुण वर्मा पुत्र राज बहादुर को भी राम चरित्र ने बुला लिया। आरोप है कि अरुण ने आते ही गलियां देते हुए और जान से मारने की धमकी देते हुए असलहे से फायर कर दिया और धमकी देने लगे। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

गंगासागर मेला पर केंद्र सरकार का कोई ध्यान नहीं : ममता

» बोलीं- कुंभ में देने के लिए हैं हजारों करोड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा की केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला है उन्होंने कहा कुंभ में देने के लिए हजारों करोड़ हैं पर मोदी सरकार के पास गंगासागर मेला के लिए पैसा नहीं है। ममता बनर्जी ने कहा कि लोगों को पानी के रास्ते गंगासागर आना पड़ता है। इसके लिए केंद्र सरकार को पुल बनाना था लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि अब राज्य सरकार ने पुल बनाने के लिए टेंडर मंगाया है। इसके बाद काफी सुविधा हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हम आशा करते हैं कि गंगासागर आने वाले सभी श्रद्धालुओं की यात्रा सुखद हो।

बंगाल की सीएम ने वार्षिक मकर संक्रांति तीर्थयात्रा की व्यापक व्यवस्था की देखरेख के लिए गंगासागर द्वीप का दौरा किया, जिसमें लाखों श्रद्धालुओं के पवित्र स्नान के लिए जुटने की उम्मीद है। प्रौद्योगिकी, ड्रोन और उपग्रह इमेजरी की सहायता से सुचारू परिवहन, स्वच्छता और भीड़ नियंत्रण सुनिश्चित करने, रसद का प्रबंधन करने के लिए एक मेगा नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

अभाविप के राज्य विवि सह संयोजक बने उद्देश्य सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखननऊ विश्वविद्यालय के उद्देश्य अभाविप के राज्य विश्वविद्यालय सह संयोजक बने। सीतापुर में सम्पन्न हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 64वें प्रांत अधिवेशन में लखनऊ विश्वविद्यालय परास्नातक हिंदी विभाग के छात्र उद्देश्य सिंह को अवध प्रान्त का प्रान्त राज्य विश्वविद्यालय कार्य सह-संयोजक का दायित्व सौंपा गया। उद्देश्य सिंह 2017 से विद्यार्थी परिषद में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

इस दायित्व के मिलने से पूर्व वह अवध प्रान्त के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य रह चुके हैं। वह जनपद जौनपुर के मूल निवासी हैं। उनके इस मनोनयन से विद्यार्थी परिषद के कार्यों में और तेजी आएगी और उन्होंने कहा कि वे संगठन व छात्रों के हित के लिए पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे।

'नटवरलाल' मनोज सिंह पर बरस रही है भाजपा सरकार की कृपा

» राजधानी लखनऊ में वाई श्रेणी की सुरक्षा में घूम रहा है अपराधी

» जालसाजी, फ्रॉड और सरकारी कूटरचित दस्तावेज बनाने में दर्ज है मुकदमा

» मनोज के कारनामे से लोग परेशान, सुरक्षा लेकर थाने को देता है धमकी, ठेले वालों से करता है अवैध वसूली

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नैतिकता की बात करने वाली भाजपा कैसे-कैसे लोगों को बढ़ावा देती है इसकी बानगी राजधानी लखनऊ का मनोज सिंह है। जिसने फ्रॉड में नटवर लाल के भी कान काट लिये हैं। तुर्रा उसपर सत्ता में बैठे लोगों की मेहबरबानी से वह वाई श्रेणी की सुरक्षा में बड़े-बड़े लोगों पर रौब भी गांठता है। कहावत कही गई है एक गंदी मछली पूरे तालाब को गंदा कर देती है।

यह कहावत बिल्कुल सटीक बैठ रही है...जालसाज, फ्रॉड और सरकारी कूटरचित दस्तावेज बनाने वाले मनोज सिंह पर...यह राजधानी का फ्रॉड मनोज सिंह नटवरलाल है...जिसकी वजह से आम नागरिक में अविश्वास पैदा हो रहा है...प्रदेश की राजधानी में ऐसे फ्रॉड को वाई श्रेणी की सुरक्षा मिलना...आम नागरिक के मुंह पर पड़ने वाला तमाचा है...उन सबके लिए तमाचा है जिनका कानून पर विश्वास कायम है...राजधानी जैसे शहर में सुरक्षा लेकर थाने पर गुंडई कर रहा है अपने गुर्गों को छुड़ाने के लिए आर्डर दे रहा है उसके बाद बदतमीजी करने के साथ-साथ दारु पीकर उत्पात भी मचा रहा है...लेकिन वाई श्रेणी की सुरक्षा देने की पीछे की मजबूरी बार-बार अब जनता पूछ रही है...ऐसे फ्रॉड वाई श्रेणी सुरक्षा राजधानी में देकर क्यों चटोरी गली में वसूली और दबंगई करने का खुला खेल खिलवाया जा रहा है...

आधे दर्जन से ज्यादा दर्ज हैं मुकदमे

मनोज सिंह ने राजनीति में कई कारनामों को अंजा दिया है। पहले कांग्रेस में रहा फिर समाजवादी पार्टी में चला गया चुनाव लड़ने के लिए बलिया की बैरिया विधानसभा क्षेत्र में प्रचार-प्रसार किया...वसूली की वहां पर आधे दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज किए गए। यहां तक मुख्यमंत्री योगी की फोटो एडिट करके खुद की फोटो मुख्य सचिव के साथ लगा ली और पुलिस ने इसके ऊपर मुकदमा दर्ज कराया।

गांव की जमीन नशे में उड़ाकर भागा था मुंबई

मनोज सिंह का गांव बैरिया के करन छपरा में है। आदतन गंजेड़ी इसने अपने परिवार की सारी जमीन गांजे के धुएं में उड़ा दी। सबकुछ बिक जाने के बाद एक टेंपो खरीदा और बैरिया में चलाता रहा। सबकुछ बर्बाद कर मुंबई चला गया। वहां इसके किसी परिचित ने इसे एक क्रिश्चियन कारोबारी के यहां ड्राइवर की नौकरी पर रखवा दिया। क्रिश्चियन सेठ की इकलौती बेटी को इसने भरोसे में लिया उससे शादी की और संपत्ति हथिया ली।

मुंबई से लौटकर पकड़ी नेतागिरी की राह

मुंबई से गांव लौटा, नेतागीरी का मन बनाया अखिलेश यादव की सरकार में संगठन में पद भी पा लिया। टिकट की दौड़ लगाई, न मिलने पर 2022 में बैरिया से निर्दल चुनाव लड़ा और इसे कुल पांच हजार वोट मिले। अब भाजपा में शामिल होकर पार्टी को मजबूत कर रहा है। राष्ट्रवाद और विश्वगुरु का सपना साकार कर रहा है। वहां के लोग बताते हैं की तमाम लोगों से नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे ठगता है, ट्रांसफर पोस्टिंग के नाम पर भी लोगों को फँसाता है। कभी फर्जी सांसद तो कभी फर्जी राज्यमंत्री बताकर धाक जमाता है।

2022 में भाजपा से जुड़ा

2022 में सत्ता का भोग पाने के लिए इस शख्स ने भाजपा का दामन थाम लिया। फिर क्या जो सुरक्षा इसको सपा में ना मिली थी...वह सुरक्षा बीजेपी सरकार में मिल गई...। पता नहीं कैसे सुरक्षा का मानक तय किया गया कैसे फ्रॉड जिसके ऊपर दर्जनों मामले दर्ज हो..उस शख्स को वाई श्रेणी की सुरक्षा देकर सुशोभित कर दिया गया..जो सुरक्षा लेकर केवल थाने पर धमकी ठेलों पर वसूली...ऑर्डर और कूटरचित दस्तावेज बना रहा है... खुलेआम घूम रहा..।

कर्नाटक, तमिलनाडु व गुजरात के बाद महाराष्ट्र में एचएमपीवी की दस्तक

» नागपुर में दो संदिग्ध मामले आए सामने

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। चीन में फैल रहे नए ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस ने भारत में दस्तक दे दी है। कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात के बाद अब महाराष्ट्र में भी एचएमपीवी संक्रमण का मामला सामने आया है। नागपुर में एचएमपीवी के दो संदिग्ध मरीजों की पहचान की गई है। इनकी उम्र सात और 13 साल बताई जा रही है। स्वास्थ्य उप निदेशक शशिकांत शंभरकर ने बताया कि निजी अस्पताल में बच्चों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

दोनों मरीजों का इलाज कर उन्हें घर भेज दिया गया है। अब इन दोनों संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट को नागपुर के एम्स में जांच के लिए भेजा गया है। भारत में पहले ही तीन एचएमपीवी मामलों का पता चल चुका है। इनमें से दो मामले बंगलूरू और एक मामला अहमदाबाद से सामने आया है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने इसकी पुष्टि की। इसके अलावा, तमिलनाडु में भी दो संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं। बता दें, देश भर में श्वसन संबंधी बीमारियों की निगरानी के लिए चल रहे निगरानी प्रयासों के तहत इन मामलों का पता चला था।

हम हालात पर नजर बनाए हुए हैं : नड्डा

इस सबके बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा हम हालात पर नजर बनाए हुए हैं और पड़ोसी देशों में वायरस की हालात पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि हम तैयार हैं, सभी कदम उठा रहे हैं, हमारी सभी पहलुओं पर निगरानी है। ये कोई नया वायरस नहीं है, 2001 में ही वायरस की पहचान हुई थी।

यूपी में बारिश व ओले ने ढाया कहर, 11 की मौत

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। पूरे प्रदेश में जारी कड़ाके की ठंड और कोहरे के बीच बारिश की भी एंट्री हो गई है। सोमवार को मेरठ, बागपत, शामली, गाजियाबाद, हापुड़, अलीगढ़, मथुरा में बूंदाबांदी के साथ कहीं- कहीं ओले भी पड़े। 6.2 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ फतेहपुर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। वहीं, ठंड से प्रदेश में 11 लोगों की मौत हो गई।

मंगलवार से पश्चिम-उत्तर यूपी के कुछ हिस्सों में बारिश के बाद तापमान गिरेगा। ठिठुरन भरी ठंड और मध्यम से घने कोहरे का दौर अगले तीन-चार दिनों तक ऐसे ही रहेगा। इनमें तीन महोबा, एक-एक चित्रकूट और बांदा के हैं। कानपुर देहात में दो और कानपुर शहर में तीन लोगों की मौत हुई है। बरेली में भी एक सड़क किनारे सो रहे व्यक्ति की मौत हो गई। घने कोहरे के चलते लखनऊ, बाराबंकी, कानपुर, अयोध्या, अमेठी और आजमगढ़ में दृश्यता शून्य तक पहुंच गई।

फोटो:4

धरना भारतीय किसान यूनियन ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर लखनऊ कलेक्ट्रेट का घेराव कर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन।

फोटो:4 पीएम

आक्रोश लखनऊ में कांग्रेस महिला विंग ने भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के खिलाफ ज्ञापन सौंप कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

ति बत में भूकंप ने मचाई तबाही, 95 की मौत

» 53 लोग घायल, नेपाल व चीन में भी रहा प्रभाव

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। तिब्बत में मंगलवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये गये। इस भीषण भूकंप में 95 से अधिक लोगों की मौत हो गई। जबकि 53 लोग घायल हुए हैं। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार मंगलवार सुबह 9.5 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 6.8 मापी गयी। इसका असर नेपाल व भारत में भी दिखा पर कोई हताहत नहीं हुआ।

चीन की सरकारी मीडिया मुताबिक तिब्बत के शिजांग शहर के डिंगरी काउंटी में 6.8 तीव्रता के भूकंप में 53 लोगों की मौत हुई है। 62 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में 28.5 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 87.45 डिग्री पूर्वी देशांतर में था। इससे पहले नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि मंगलवार सुबह से ही तिब्बत क्षेत्र के शिजांग में भूकंप झटके महसूस किए जा रहे हैं। यहां सुबह 6:30 बजे 7.1 तीव्रता के साथ 10 किमी गहराई पर भूकंप आया। इसके बाद 7:02 बजे 4.7 तीव्रता,7:07 बजे 4.9 तीव्रता और 7:13 बजे पांच तीव्रता का भूकंप आया। इसके चलते लोग घरों को छोड़कर खुले स्थानों की ओर चले गए।

6.8
मापी गई तिब्बत में रिएक्टर की तीव्रता

असम, सिक्किम और पश्चिम बंगाल में भी महसूस किए गए झटके

भूकंप के झटके भारत के कई राज्यों में भी महसूस किए गए। इसकी जद में सबसे ज्यादा बिहार आया। इसके अलावा असम, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस दौरान डरे सहमे लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। यूएसजीएस भूकंप के मुताबिक, भूकंप का केंद्र लोबुचे से 93 किमी उत्तर पूर्व में था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।